ओम शांति

व्यसन मुक्ति के लिए जन जागृति मुहिम
डोंबिवली सेंटर – घाटकोपर सबझोन (मुंबई)

31 मई शुक्रवार अंतरराष्ट्रीय व्यसनमुक्ति दिवस के निमित्त डोंबिवली सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र. कु. शकु दीदीजी की अध्यक्षता में ब्र. कु. संगीता बहन के नेतृत्व में विष्णू नगर पोलीस स्टेशन में पोलीस स्टाफ के लिए 'संतुलित आहार और तनावमुक्त जीवन' विषय पर कार्यक्रम रखा गया।

माननीय ACP **दिलीप राऊत** जी तथा PI Crime Branch **बालासाहेब पवारजी** की उपस्थितीमें कार्यक्रम की शुरूवात हुई।

माननीय ACP दिलीप राऊतजी ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजीत इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहॉ कि आज के इस तनावपूर्ण वातावरण में स्वयं को तंदुरस्त रखने के लिए यह बहुत बहुत आवश्यक हैं। मेडिटेशन से तनावमुक्त हो सकते है तथा संतुलित आहार द्वारा टोटल फिटनेस को प्राप्त कर सकते है। साथ साथ उन्होने 3 दिन राजयोग मेडिटेशन कोर्स पोलीस स्टाफ में ही रख सभी उसका लाभ लेवे ऐसी शुभेच्छा प्रकट की।

डॉ. रविंद्र धुवरी द्वारा संतुलित आहार पर मार्गदर्शन दिया गया।

ब्र. कु. संगीता बहन द्वारा 'तनावमुक्ति के लिए राजयोग' की अनुभूति कराई गयी।

गावदेवी स्कुल के चेअरमन मा. केशवभाई द्वारा सभी को ईश्वरीय प्रसाद तथा मॅगझीन प्रदान किया गया। साथ में समाजसेवक मा. बबनराव सालुंकेजी, मा. श्रीधर रघुनाथ सुर्वेजी, मा. जितेन्द्र एस. अमोनकरजी, जोंधळे स्कूल के माजी प्राध्यापक मा. सूर्यवंशी सर इन्होंने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

साथ साथ डोंबिवली के पास दावडी गाव में भी ब्र. कु. मनिषा बहन के नेतृत्व में व्यसन मुक्ति जनजागृति अभियान चलाया गया। जिसमें दावडी गाव के रहवासीओं को 6 – 7 व्यसन मुक्ति पथ नाट्य के माध्यम से तंबाकू, शराब, सिगरेट व गुटखा आदि नशीले पदार्थों के सेवन से होनेवाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। जिनमें 700 से 800 गाववासीओं ने लाभ लिया।

डोंबिवली के पास दिवा शहर में ब्र. कु. कलावती बहन के नेतृत्व में 5–6 व्यसन मुक्ति पथनाट्य के माध्यम से तंबाकू, शराब, सिगरेट व गुटखा आदि नशीले पदार्थो के सेवन से होनेवाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। जिनमें 1000 से ज्यादा शहरवासीओं ने लाभ लिया। विशेष अतिथी के रूप में मा. शैलेष पाटीलजी उपस्थित थे।

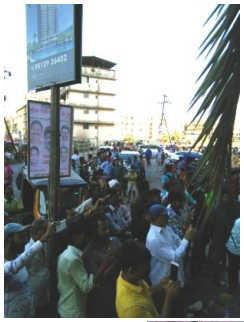

इस दौरान लोगो को बताया गया कि विश्व में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण तम्बाकू हैं, जिससे 50 लाख लोग प्रतिवर्ष मौत का शिकार होते है, जिसमें से भारत के 10 लाख लोगो से ज्यादा का समावेश है। नशा करने की वजह से 25 से भी ज्यादा किस्म की बिमारीयॉ होती हैं।